भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.07.2023 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1017 का उत्तर

राष्ट्रीय रेल योजना विज़न 2024

1017. डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
डॉ. हिना विजयकुमार गावित:
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल:
डॉ. सुजय विखे पाटिल:
प्रो. रीता बहुगुणा जोशी:
श्री कृष्णपालसिंह यादव:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय रेल योजना विज़न 2024 के अंतर्गत परिकल्पित परियोजनाओं की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या इनमें से किसी परियोजना में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्य शामिल हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या चिह्नित माल परिवहन गलियारों पर कोई विकासात्मक कार्य शुरू किया गया है;
(घ) इस परियोजना के अंतर्गत कुल कितनी रेलगाड़ियों की गति बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है और इस कार्य को पूरा होने का अनुमानित समय क्या है; और
(ङ) इस परियोजना के अंतर्गत चिह्नित किए गए नए हाई स्पीड रेल गलियारों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

राष्ट्रीय रेल योजना विज़न 2024 के संबंध में 26.07.2023 को लोक सभा में डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, डॉ. हिना विजयकुमार गावित, श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल, डॉ. सुजय विखे पाटिल, प्रो. रीता बहुगुणा जोशी और श्री कृष्णपालसिंह यादव के अतारांकित प्रश्न सं. 1017 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): विजन 2024 के अंतर्गत, 01.04.2023 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में पूर्ण/आंशिक रूप से पड़ने वाली परियोजनाओं सहित पूरे देश में 4.92 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली 29,147 किलोमीटर कुल लंबाई वाली कुल 251 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (76 नई लाइन, 19 आमान परिवर्तन और 156 दोहरीकरण) योजना/मंजूरी/निर्माण के चरणों में हैं, जिनमें से 9,910 किलोमीटर लंबाई के रेलपथ को कमीशन कर दिया गया है तथा मार्च 2023 तक, 2.45 लाख करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

(ग): वर्तमान में, रेल मंत्रालय ने दो समर्पित माल गलियारों (डीएफसी) यथा लुधियाना से सोननगर (1337 किलोमीटर) पूर्वी समर्पित माल यातायात गलियारा (ईडीएफसी) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी (1506 किलोमीटर) पश्चिमी समर्पित माल गलियारा (डब्ल्यूडीएफसी) का निर्माण शुरू किया है। अब तक, डीएफसी की कुल स्वीकृत 2843 किमी लंबाई में से, 2196 किमी (ईडीएफसी-1150 किमी और डब्ल्यूडीएफसी-1046 किमी) का कार्य पूरा हो चुका है।

(घ): भारतीय रेल में गाड़ियों की गति बढ़ाना एक निरंतर प्रयास और एक सतत प्रक्रिया है। भारतीय रेल ने अन्य बातों के साथ-साथ, पैसेंजर गाड़ियों को एक्सप्रेस सेवाओं और एक्सप्रेस सेवाओं को सुपरफास्ट सेवाओं में परिवर्तित करके गाड़ी सेवाओं की गति बढ़ाने के लिए आईआईटी-मुंबई की सहायता से वैज्ञानिक तरीके से समय सारणी को युक्तिसंगत बनाने का कार्य भी शुरू किया है। इसके अलावा, भारतीय रेल ने वंदे भारत गाड़ियां शुरू की हैं, जिनमें उच्च गति क्षमता है। 21 जुलाई, 2023 तक, भारतीय रेल के नेटवर्क पर 50 वंदे भारत गाड़ियां शुरू की जा चुकी हैं।

s.k

(ङ): वर्तमान में, एक हाई स्पीड रेल परियोजना, अर्थात् मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना जापान सरकार के तकनीकी सहयोग और वित्तीय सहायता से शुरू की गई है।

राष्ट्रीय रेल योजना में भविष्य में हाई स्पीड रेल नेटवर्क के संभावित विकास के लिए निम्नलिखित मार्गों का उल्लेख किया गया है:

(i) दिल्ली - वाराणसी

(ii) दिल्ली-अहमदाबाद

(iii) मुंबई - नागपुर

(iv) मुंबई - हैदराबाद

(v) चेन्नई - मैसूर

(vi) दिल्ली - अमृतसर

(vii) वाराणसी - हावड़ा

****

s.k